12 hrs.

RE. ALLEGED ASSAULT BY POLICE ON SHRI SATYANARAYAN JATIYA, M.P.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : (नई दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, कल आपने इस सदन के एक मेम्बर श्री सत्यनारायण जटिया को गिरफ्तारी की सूचना दी थी। हमें जानकारी मिली है कि श्री जटिया को पुलिस ने बेरहमी से मारा है और उनको सिर में चोट लगी है और उनकी टांग टूटी है।

अध्यक्ष महोदय : आपने 222 में दिया है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : और यह पिटाई उस वक्त हुई जब वे रेलवे स्टेशन से सांकेतिक धरना खत्म करके आ रहे थे।

MR. SPEAKER: I have received your notice under Rule 222.

AN HON. MEMBER: I have also given one.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, विरोधी दल के मेंबरों को मध्य प्रदेश में अपनी जान का खतरा है। . . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (संबपुर): मध्य प्रदेश में ही नहीं, बल्कि सभी जगह ऐसी हालत है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : हमने काक रोको प्रस्ताव दिया है, प्रिवलेज मोशन दिया है, यह बहुत गंभीर मामला है। . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Durgapur): It should be sent directly to the Privileges Committee.

अध्यक्ष महोदय : मैं यह कब कह रहा हूं कि सीरियस नहीं है।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : आपके सामने यह सवाल एक बार और आया था। . . . (**व्यवधान**) . . . **

MR. SPEAKER: Nothing is going on record.

अध्यक्ष महोदय : मैं भी तो कानून के हिसाब से चलूंगा। मेरे हाथ में कोई जादू मंतर तो है नहीं . . . .

I will have to get the facts and I will go into them.

. . . (**व्यवधान**) . . .

अध्यक्ष महोदय : मैंने अभी लिख दिया है, आपका आ गया है—

I will go into the facts. I am getting the facts ascertained and will act according as needed.

श्री रामविलास पासवान (हाजीपुर): इस पर मेरा आग्रह है कि इतना बड़ा गंभीर मामला है और एक संसद सदस्य को घायल कर दिया है। ऐसी परिस्थिति में होम मिनिस्टर को जवाबदेही नहीं होती है कि सदन को बतलावें।

अध्यक्ष महोदय : देखेंगे, मैं पूछूंगा।

. . . (**व्यवधान**) . . .

श्री रामविलास पासवान : आप डायरेक्शन तो दे सकते हैं।

MR. Speaker: If in the performance of his parliamentary duties, my Member is assaulted, or anything is done, I will take strong action.

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर) : इसका मतलब है कि हम जनता के हित में कोई काम नहीं कर सकते।

(Interruptions).

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur): There is a precedent; in

**Not recorded.

[Prof. Madhu Dandavate]

the 4th Lok Sabha, my colleague, Mr. Nath Pai had raised the privilege issue against a police officer. The privilege issue was admitted. The Privilege Committee gave the punishment; the police officer was asked to come in the Lok Sabha and was reprimanded.

अध्यक्ष महोदय : दण्डवते जी, हमने तो करे हैं ।

... (व्यवधान) ...

अध्यक्ष महोदय : प्रोफेसर साहब, हमने भी तो करे हैं, यहां दो आपके सामने रैफर किए थे । If the situation requires, I will do that.

... (व्यवधान) ...

अध्यक्ष महोदय : मुझे पता तो कर लेने दीजिए ।

SHRI CHANDRAJIT YADAV: (Azamgarh) : There is a sense of urgency in this; this is very important.

MR. SPEAKER: That I have noted; already taken steps.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : आज आप भोपाल जा रहे हैं ?

अध्यक्ष महोदय : हां जी ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : श्री जटिया वहां आपको मिलेंगे । आप तथ्यों का पता लगा सकते हैं, लेकिन इस मामले को इस तरह से न लिया जाए कि तब तक अधिवेशन ही खत्म हो जाए ।

अध्यक्ष महोदय : ऐसी कोई बात नहीं । .... (*Interruptions*)

Why should I? Whatever action is necessary, I will take.

... (व्यवधान) ...

श्री चन्द्रजीत यादव : मैं यह निवेदन कर रहा हूं कि आप कोई इमीजिएट एक्ट करते हैं ? इसी सदन में जार्ज फर्नाण्डिस का रिटन लैटर आपके पास आया है ।

अध्यक्ष महोदय : मैंने उसी वक्त कर लिया था ।

श्री चन्द्रजीत यादव : होम मिनिस्टर क्या कर रहे हैं ?

That urgency is not there on the part of the Government.

I would like to plead with you to appreciate the urgency of the matter. (*Interruptions*) आप रैफर कर दें और वे चुप रहें ?

अध्यक्ष महोदय : नहीं-नहीं, चुप नहीं हैं ।

SHRI CHANDRAJIT YADAV: Mr. Jatiya's and Mr. George Fernandes's case is not a question of opposition members. It is a matter of the Members of the Parliament. There is urgency.

MR. SPEAKER: I will not leave matters there.

श्री हरिकेश बहादुर : इस तरह से होगा तो कोई भी सदस्य कार्य नहीं कर सकता ।

MR. SPEAKER: During the Budget Session, SHRI K.P. Unnikrishnan and several other Members had given notices on a question of privilege against Shri P. C. Sethi.

श्री रामविलास पासवान : इस पर क्या हो रहा है ? स्टेट होम मिनिस्टर यहां बैठे हुए हैं ....

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मेरे पास तब आया है । फैक्ट्स मांगे हैं ।

श्री राम विलास पासवान : दूसरी चीज आपने कही कि फैक्ट्स मंगवा रहे हैं। मेरा कहना है कि मेम्बर के जीवन को खतरा हो आपको जवाब देही हो जाती है कि गृह मंत्री से तुरन्त फैक्ट फाइंडिंग कर के सदन को बतायें।

अध्यक्ष महोदय : एक मिनट में थोड़े ही हो जाता है।

श्री राम विलास पासवान : अब आपने जार्ज फर्नाण्डिस के बारे में कहा जब मेम्बर मर जायेंगे तब ऐक्शन लेंगे ?

अध्यक्ष महोदय : इनक्वायरी तो होती है।

श्री राम विलास पासवान : जब मेम्बर मर जायगा तब इनक्वायरी होगी ?

अध्यक्ष महोदय : ऐसे अगर मेम्बर मर जायगे तो हम कैसे जिन्दा रहेंगे। अब आप बैठिए मैं रूलिंग दे रहा हूं।

श्री राम विलास पासवान : आप डायरेक्ट तो कर सकते हैं ?

अध्यक्ष महोदय : डायरेक्ट तो कर दिया। I have already directed the Home Ministry. I have written to them. I have to go according to the rules. I hae to write to them, get facts from them.

(*Interruptions*)

SHRI CHANDRAJIT YADAV: Is there any urgency on the part of the Home Ministry?

श्री राम विलास पासवान : आपने जार्ज फर्नाण्डीस जी के बारे में चार दिन पहले कहा। मैं जान सकता हूं कि अब तक क्या कार्यवाही हुई ? तुरन्त का क्या मतलब होता है। . . .

(व्यवधान)

SHRI CHANDRAJIT YADAV: In George Fernandes case, if the Home Minister take so many weeks then what will happen in Jatiya's case?

(*Interruptions*)

श्री राम विलास पासवान : श्री भोगेन्द्र झा पर हत्या का मामला चला।

अध्यक्ष महोदय : हमने श्री भोगेन्द्र झा का मामला तुरन्त तय कर दिया था।

(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : होम मिनिस्टर गवर्नमेंट के हो सकते हैं। . . .

(व्यवधान)

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष जी, आप एक बात का जवाब दे दीजिए। आपकी नोटिस में यह आया कि किसी एम० पी० पर फ़ायरिंग हुई। क्या सदन आपसे यह तवक्को नहीं रखता है कि मेम्बर के ऊपर जो फ़ायरिंग हुई ज्यादा से ज्यादा दो, तीन दिन में उसके फैक्ट्स आपके पास आ जाने चाहिएं। इससे ज्यादा अगर समय लगे तो वह तो एक आम रुटीन की बात हो जाती है और मुमकिन है उससे गलतफहमी फैले। आखिर हम आपकी प्रोटेक्शन चाहते हैं। यों तो देश का कानून सभी नागरिकों के लिए समान है। लेकिन अगर मेम्बर पार्लियामेंट पर हमला हो और वह हमला आपके सामने सदन में रखा गया और आप कहो कि जांच करवाते हैं, और अगर वह जांच 2, 3 दिन से ज्यादा चलती है मेम्बर पर फ़ायरिंग की तो न तो सदन की जांच का, न आपकी जांच का कोई मतलब है। मतलब तो और ही है। आपसे प्रोटेक्शन का मतलब यह है कि आप होम मिनिस्टर से पूछें। चिट्ठी लिख कर नहीं तो पूछ सकते हैं। लेकिन सदन में सवाल उठाने का और आपको कहने का मतलब यह है कि फोरी तौर पर होम मिनिस्टर उस पर ध्यान दें।

[श्री मनीराम बागड़ी]

और 6 महीने के बाद तो कोई मतलब नहीं होगा। और आप अन्याय कर रहे हैं अगर इस काम के लिए होम मिनिस्टर को नहीं कहेंगे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, आप स्वीकार करेंगे कि गम्भीर मामला है ?

अध्यक्ष महोदय: बिल्कुल मैं समझता हूं। जब हमारे मेम्बर के साथ हो रहा है वह सीरियस है। ...

(व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : तो जल्दी इस बारे में सूचना आना चाहिए।

SHRI INDRAJIT GUPTA (Basirhat): We understood you to say that if you find it from inquiry that something was done to Mr. Jatya while he was performing his Parliamentary duties, then you will take a serious view of it. Any duty which is performed by a Member of Parliament outside the Parliament, I don't know how you define it, is a public duty. When Mr. Bhogendra Jha was brought here in injured condition and the matter was referred to the Privileges Committee, he was attacked not inside the Parliament. He had gone outside somewhere on public duty.

But the matter was taken up as a matter of privilege. So, it is certainly a very serious matter.

MR. SPEAKER: I never dispute it. Any injury to my member, I have always considered it very serious. But I have to know the fact and then I have to give my ruling. (*Interruptions*).

The Home Minister must take note of it. आपको हमने चिट्ठी लिखी थी।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI YOGENDRA MAKWANA): What is the matter?

अध्यक्ष महोदय : वह तो जार्ज फर्नाण्डीस के लिए थी।

(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : जटिया जी के ऊपर हमला हुआ है, वह घायल हुए हैं, आप भारत के गृह-राज्य मंत्री हैं, हम लोग जानना चाहते हैं कि उस पर आपने क्या कार्यवाही की है ?

आचार्य भगवान देव (अजमेर) : वह तो भोपाल में घूम रहे हैं।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : क्या कर रहे हैं, आप ?

SHRI YOGENDRA MAKWANA: I have to call for information, so far as this incident is concerned. But so far as Mr. Fernandes' incident is concerned, I have talked to the police officers on telephone yesterday and I have asked them to send a detailed report to me. So far as the information which was given to me on telephone is concerned, he told me that the firing was made in the air by someone inside and it was done at about 2 PM while Mr. Fernandes addressed the meeting at about 4 P.M. So, it has nothing to do with the attack on Mr. Fernandes nor it was a shoot-out at Mr. Fernandes. I have asked for a detailed report from the police and I can assure you that if the hon. members want, I can place it before the House also.

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने कबूल किया है कि गोली चली और मंत्री महोदय बता नहीं रहे हैं कि किस कारण गोली चली ? हवा में गोली चलने का क्या कारण है ?

(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : किस प्रकार गोली चली, कौन चला रहा है ?

श्री जगपाल सिंह : हवा में गोली चली तो किस प्रकार चली ?

(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You make full and complete enquiries and satisfy yourself. I want that my member should be protected. It is not so simple

(Interruptions)

SHRI INDRAJIT GUPTA: Who will make an enquiry in Mr. Jatiya's case? He has been assaulted by the police themselves. If he asks the police for a report, they will give a concocted report.

MR. SPEAKER: My agency is the Government.

SHRI INDRAJIT GUPTA: When the police themselves are the assailants, what report will they give you?

अध्यक्ष महोदय : असलियत छिपी नहीं रहती, आ जाती है ।

(व्यवधान)

SHRI CHANDRAJIT YADAV : Your observation is a very serious matter. You say, "my agency is only the police".

MR. SPEAKER: Not the police; I said, Government.

SHRI CHANDRAJIT YADAV: Your source of information will be the Government. But in view of the statement which the Home Minister has made here, Mr. Jatiya's case was in a special context. Mr. Jatiya has been attacked by the police themselves; he has been beaten up by the police.

MR. SPEAKER: I will have to find put. *(Interruptions)*. I have to know it.

SHRI CHANDRAJIT YADAV: You must direct the Government .....

MR. SPEAKER: I have already done it.

SHRI CHANDRAJIT YADAV: He should go in for a judicial enquiry. Let a judicial enquiry give the facts.

MR. SPEAKER: I cannot commit anything. I can only commit that I will find out facts.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Why not refer the matter to the Privileges Committee? The committee will make enquiries.

MR. SPEAKER: Nothing can be done without ascertaining the facts.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: All right; you find out facts and then decide.

SHRI HARIKESH BAHADUR : Why are you taking it so lightly?

MR. SPEAKER : Who says it? Why do you put words in my mouth?

SHRI HARIKESH BAHADUR: If the police is the accused party and if police people are making enquiry, how can they give correct report? They will hide facts.

(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : फिर यह देर से सारे निकल जायेंगे । यह कोई बात हुई ?

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY (Calcutta South): On a point, of order, Sir. In all respects, you are guided by precedents. In the Fifth Lok Sabha, Mr. K. C. Halder was assaulted by the police.

MR. SPEAKER: That is settled now. Out of order; not allowed.

(Interruptions.)

अध्यक्ष महोदय : भाई, आप काहे को आपस में कर रहे हैं ?

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY: Why don't you follow the precedents? It is not a question of hushing up something.. *(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Please sit down.

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY: I shall sit down, provided you assure us that you will be guided by the precedents